सत्यमेव जयते

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय

मत्स्यपालन विभाग

केंद्रीय मात्स्यिकी तटवर्ती इंजिनियरिंग संस्थान

वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

पता :
इसरो स्टाफ आवास के सामने
जालहल्ली
बेंगलूरु – 560 013

फोन: 080-28385466 (निदेशक)
080-23457460
080-28385092
फैक्स: 080-28385093
ईमेल: 080-28385091
वेबसाईट: director@cicef.gov.in
cicef.gov.in

हम सोशल वेबसाइट पर हैं - हमें फ़ॉलो करें https://twitter.com/CICEF_Bengaluru

https://facebook.com/cicef.bengaluru

संपादकीय सहायता

दिनेश कुमार सोनी, वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक
जी.के. कुमार, सहायक अभियंता (सिविल)
अजिन जेम्स, कनिष्ठ अभियंता

संकलन एवं संपादन

एच आर नागराज
उप निदेशक (सिविल इंजीनियरिंग)

प्रकाशक:
एन. वेंकटेश प्रसाद
निदेशक

विषय सूची

पृष्ट सं

1.0 कें. म. त. इं. सं– एक अवलोकन.....1

1.1 परिचय.....1

1.2 संगठन.....1

1.3 अधिदेश.....3

1.3.1 मात्स्यिकी बंदरगाह.....3

1.3.2 तटीय जल कृषि फार्म एवं हैचरी.....3

2.0 संस्थान की उपलब्धियाँ.....3

2.1 वर्ष 2022-23 के दौरान उपलब्धियाँ.....5

2.1.1 तकनीकी – आर्थिक साध्यता रिपोर्ट (टी. ई. एफ. आर.).....5

2.1.2 पूर्वसाध्यता अध्ययन.....7

2.1.3 आर्थिक साध्यता अध्ययन.....8

2.1.4 तकनीकी टिप्पणियाँ एवं मूल्यांकन.....8

2.1.5 परियोजना की निगरानी/ चालू परियोजनाओं का तृतीय पक्षीय निरीक्षण.....10

2.1.6 मात्स्यि बंदरगाह और मत्स्य उतारने के केंद्र की क्षेत्र यात्रा.....10

3.0 सम्मेलन, कार्यशाला और प्रशिक्षण.....11

4.0 बैठकें.....11

5.0 आगंतुक.....13

6.0 प्रकाशन.....13

7.0 प्रशासन एवं वित्त.....14

7.1 बजट खर्च.....14

7.2 पदोन्नति.....14

7. 3 नियुक्तियाँ.....14

7.4 सेवानिवृत्ति/प्रतिनियुक्ति/इस्तीफा.....15

7.5 संशोधित आश्वासनित कैरियर प्रगति (एम. ए. सी. पी.) योजना का कार्यान्वयन.....15

7.6 सतर्कता जागरूकता सप्ताह.....15

7.7 आयोजन.....16

8.0 राजभाषा कार्यान्वयन / हिंदी शिक्षण योजना.....16

9.0 पुस्तकालय.....17

10.0 सूचना अधिकार (आर. टी. आई) का कार्यान्वयन.....17

11.0 कर्मचारियों का कल्याण.....17

12.0 तस्वीरें.....18

प्रस्तावना

बेंगलूरु में स्थित केंद्रीय मात्स्यिकी तटीय इंजिनियरिंग संस्थान (कें.म.त.इं.सं), भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, मत्स्यपालन विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय है। इस संस्थान को देश के मात्स्यिकी बंदरगाहों के विकास के लिए तकनीकी एवं आर्थिक साध्यता के संबंध में अध्ययन करने एवं रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस वार्षिक रिपोर्ट में संस्थान के प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी गतिविधियों के बारे में जानकारी उपलब्ध है।

इस वार्षिक रिपोर्ट में, वर्ष 2022-23 के दौरान संस्थान के महत्वपूर्ण क्रिया-कलाप और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

1.0 कें.म.त.इं.सं- एक अवलोकन

1.1 परिचय

जनवरी 1968 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संस्थान (FAO/UN) के सहयोग के साथ भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा संस्थान की स्थापना, मात्स्यिकी बंदरगाहों के निवेश पूर्व सर्वेक्षण के रुप में हुई। भारत के समुद्री तट पर योग्य स्थानों में मात्स्यिकी बंदरगाहों के विकास के लिए, इंजिनियरिंग एवं आर्थिक अन्वेषण करना, तकनीकी एवं आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करना तथा यांत्रिक नौकाओं के लिए मात्स्यिकी बंदरगाह की सुविधा उपलब्ध कराना आदि इस संस्थान की स्थापना के मूल उद्देश्य थे। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की सहायता समाप्त होने के पश्चात, जनवरी 1974 से लेकर दो साल तक की अवधि के लिए, संस्थान को स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेन्सी (SIDA) से उपकरण एवं विशेषज्ञ परामर्श के रुप में तकनीकी सहायता प्राप्त हुई। अगस्त 1983 में "केंद्रीय मात्स्यिकी तटीय इंजिनियरिंग संस्थान" के रुप में इसका पुनर्नामकरण किया गया। विशेषज्ञों द्वारा विकसित किए जाने के पश्चात 1983 से लेकर संस्थान द्वारा उसकी परियोजनाओं के अंतर्गत, भारत के तटवर्ती क्षेत्र में जल कृषि इंजिनियरिंग एवं खारा पानी झींगी फार्मों की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। संस्थान को तटवर्ती जल संवर्धन झींगी फार्मों के विकास के लिए 1986 से 1991 तक UNDP/FAO से उपकरण तथा परामर्श के रुप में सहायता प्राप्त हुऐ।

1.2 संगठन

निदेशक संस्थान के प्रधान हैं और इस संस्थान के लिए स्वीकृत अधिकारियों/ कर्मचारियों की संख्या 47 है, इनमें तकनीकी तथा प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं। पदों का ब्यौरा इस प्रकार है:

समूह	योजनेतर	
	तकनीकी	गैर-तकनीकी
क	10	-
ख(राजपत्रित)	03	01
ख (गैर राजपत्रित)	09	02
ग	07	15
कुल	**29**	**18**

संस्थान में इंजिनियरों एवं अर्थशास्त्रियों के सम्मिश्रित समूह कार्यरत है, जो मात्स्यिकी बंदरगाह और खारापानी झींगी फार्मों के विकास हेतु स्थान चुनने की दिशा में, अपेक्षित निवेश पूर्व अध्ययन करने, तकनीकी अर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करने, परियोजना एवं अन्य

सहायक सुविधाओं के लिए विस्तृत निर्माण योजना बनाने में विशिष्ट ज्ञान और व्यापक अनुभव रखते है। संस्थान की संगठन चार्ट नीचे दिए गए हैं।

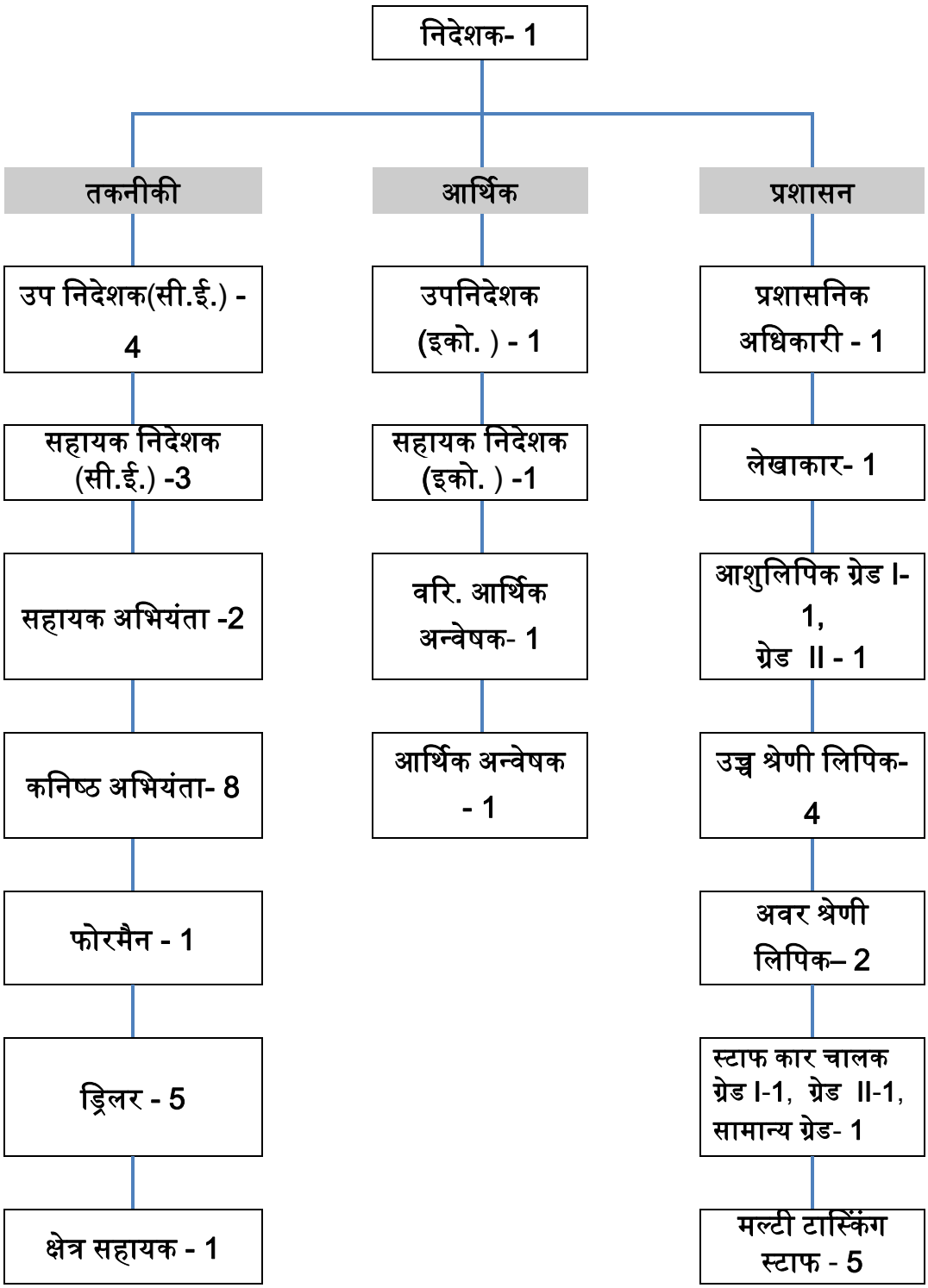

1.3 अधिदेश

मात्स्यिकी बंदरगाहों, तटीय जल कृषि फार्मों तथा हैचरियों के विकास के संबंध में इस संस्थान का अधिदेश इस प्रकार है:

1.3.1 मात्स्यिकी बंदरगाह

- मात्स्यिकी बंदरगाहों के विकास के लिए योग्य स्थान खोजने हेतु टोही सर्वेक्षण /साध्यता पूर्व अध्ययन करना तथा अनुवर्ती कार्य के रुप में विस्तृत इंजिनियरीग और आर्थिक अनुसंधान करना एवं तकनीकी आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करना।
- मात्स्यिकी बंदरगाहों तथा पूरक सुविधाएं आदि के लिए प्रारंभिक निर्माण योजना तैयार करना।
- आवश्यकतानुसार मात्स्यिकी बंदरगाहों तथा मछली उतारने के केंद्रों के विकास के लिए अपेक्षानुसार, तकनीकी एवं आर्थिक सलाह देना।
- मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के सहयोग से, केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत, निर्माणाधीन मात्स्यिकी बंदरगाहों की प्रगति की निगरानी करना।

1.3.2 तटीय जल कृषि फार्म एवं हैचरी

- आर्थिक एवं इंजिनियरीग अन्वेषण करना, फार्मों के लिए उचित डिज़ाईन तैयार करना और तकनीकी-आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करना।

2.0 संस्थान की उपलब्धियाँ

मार्च 2023 के अंत तक संस्थान ने मात्स्यिकी बंदरगाहों/ मछली उतारने के केंद्रों के विकास के लिए 104 स्थानों का अन्वेंषण किया और 123 (संसोधन सहित) स्थानों के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार की है।

यू.एन.डी.पी/ एफ.ए.ओ की सहायता की अवधि के दौरान चार खारापानी झींगा फार्म एवं झींगा बीज हैचरी विकसित किये गए। विश्व बैंक से सहायता प्राप्त खारापानी झींगी कृषि परियोजनाओं के अंतर्गत, संस्थान द्वारा कुल 9,640 हेक्टेयर क्षेत्र के 13 स्थानों का सर्वेक्षण और उनका अव-मृदा परीक्षण किया गया। उनमें से 10 स्थानों के कुल 3,826 हेक्टेयर उत्पादक तालाब क्षेत्र के लिए संस्थान द्वारा तकनीकी आर्थिक रिपोर्ट तैयार की गई। पश्चिम बंगाल के दिघा, कैन्निंग एवं दिघिरपुर तथा आंध्र प्रदेश के भैरव पालम झींगी फार्मों में प्रायोगिक कृषि भी की गई।

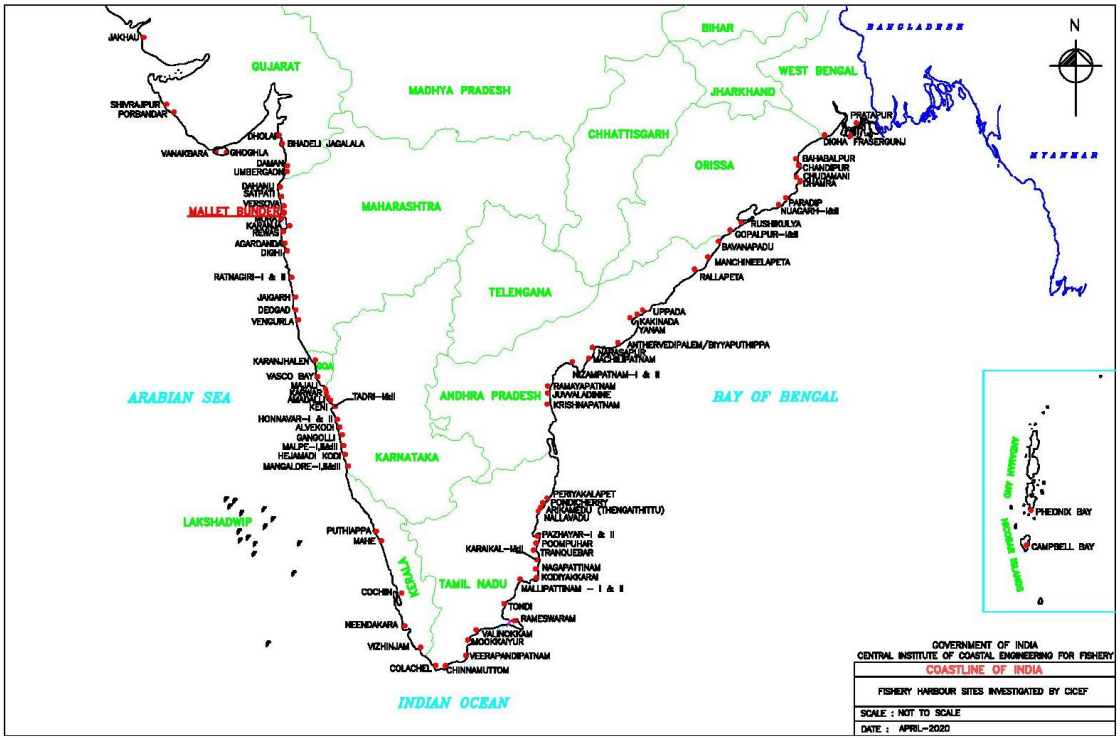

कें.म.त.इं.सं द्वारा अनुसंधित मत्स्यकी बंदरगाहों के स्थलों का नक्शा

2.1 2022-23 के दौरान उपलब्धियाँ

2.1.1 तकनीकी – आर्थिक साध्यता रिपोर्ट (टी. ई. एफ. आर.)

कर्णाटक के उत्तर कन्नडा जिले के अंकोला तालुक में बेलाम्बर में मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास हेतु टी.ई.एफ.आर. तैयार एवं जारी किया गया।

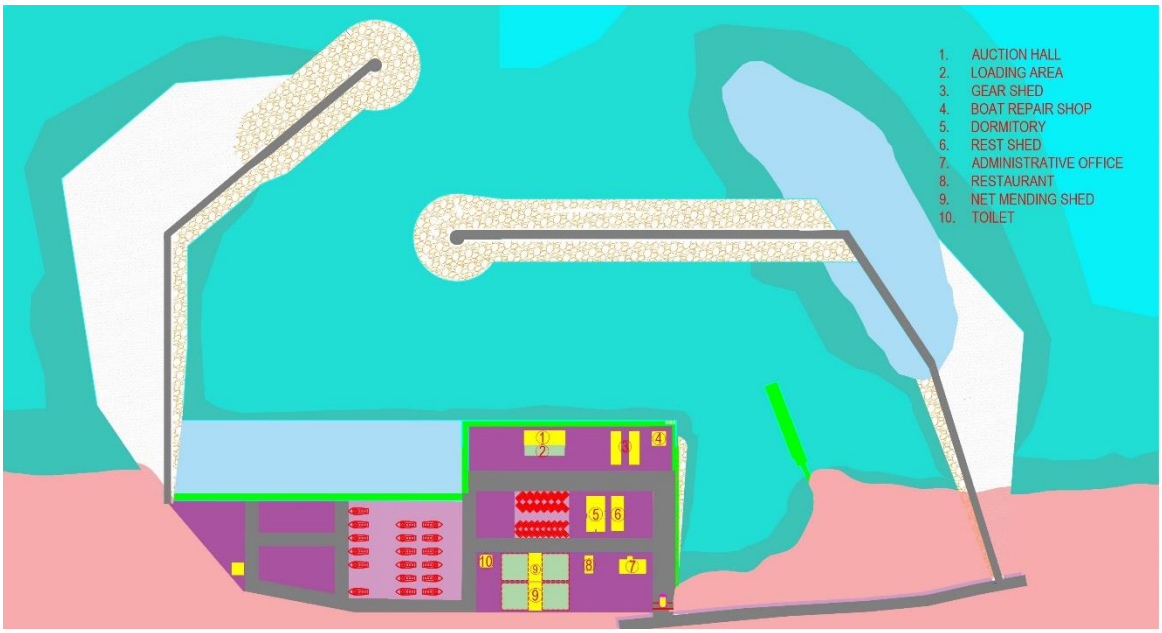

बेलाम्बर मात्स्यिकी बंदरगाह का अभिन्यास

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

- **नाव का आकार का डिजाइन**

क्रमांक	नाव का आकार और प्रकार	संख्या
1.	10.0 मी. एफआरपी	80
2.	13.0 मी ट्रालर	30
3.	18.0 मी पर्स सिनर	20
	कुल	130

प्रस्तावित तटीय सुविधाएं

- तरंग रोध (ब्रेक वाटर)
- आर.सी. स्लोपिंग हार्ड
- तलकर्षण (ड्रेजिंग)
- घाट (डायफ्राम दीवार)
- पुश्ताबान (रेवेटमेंट)

प्रस्तावित भू-भाग सुविधाएं

- मत्स्य उतारने का स्थान एवं नीलामी हॉल
- फिशरी गियर शेड
- आंतरिक सड़क नेटवर्क
- नेट मरम्मत शेड
- रेस्टोरेंट
- मछुआरों हेतु विश्राम शेड
- नाव मरम्मत की दुकान
- सार्वजनिक शौचालय
- ताजा पानी की आपूर्ति और वितरण प्रणाली
- विद्युत सबस्टेशन, हाई मास्ट लाइट, स्ट्रीट लाइटिंग आदि सहित आंतरिक विद्युत आपूर्ति और वितरण प्रणाली
- मत्स्य पालन बंदरगाह की सुरक्षा- उठी हुई चारदीवारी, सुरक्षा घर आदि के रूप में
- हरियाली और भूनिर्माण
- अग्निशामक और
- मौजूदा सुविधाओं में सुधार एवं नवीनीकरण

परियोजना की लागत

-परियोजना की कुल अनुमानित लागत 79.63 करोड़ है|

आर्थिक मूल्यांकन

वित्तीय वापसी की आंतरिक दर 13.76 प्रतिशत है जो दर्शाती है कि परियोजना आर्थिक रूप से व्यवहार्य है।

2.1.2 पूर्वसाध्यता अध्ययन

1. मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में माया बंदर मात्स्यिकी बंदरगाह हेतु पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की गई और जारी की गई।
   - वित्तीय वापसी की आंतरिक दर 8.32 प्रतिशत है जो दर्शाती है कि परियोजना आर्थिक रूप से व्यवहार्य है। मायाबंदर मात्स्यिकी बंदरगाह की सुविधा मायाबंदर में प्रदान करने की सिफारिश की गई है।

2. गंगा और गंडक नदी के किनारे मात्स्यिकी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार और जारी की गई|
   - पटना जिले में फतुहा

     वित्तीय वापसी की आंतरिक दर 23.84 प्रतिशत है जो दर्शाती है कि साइट आर्थिक रूप से व्यवहार्य है। फतुहा में फिश लैंडिंग सेंटर उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गयी है|
   - वैशाली जिले में महनार घाट

     वित्तीय वापसी की आंतरिक दर 20.19 प्रतिशत है जो दर्शाती है कि साइट आर्थिक रूप से व्यवहार्य है। महनार घाट पर फिश लैंडिंग सेंटर उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गयी है|
   - बेगूसराय जिले के बछवाड़ा

     वित्तीय वापसी की आंतरिक दर 17.06 प्रतिशत है जो दर्शाती है कि साइट आर्थिक रूप से व्यवहार्य है। बछवाड़ा में फिश लैंडिंग सेंटर उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गयी है|
   - कटिहार जिले में काढ़ागोला घाट

     वित्तीय वापसी की आंतरिक दर 33.16 प्रतिशत है जो दर्शाती है कि साइट आर्थिक रूप से व्यवहार्य है। काढ़ागोला घाट पर फिश लैंडिंग सेंटर उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गयी है|

- मुंगेर जिले में लल्लू पोखर

वित्तीय वापसी की आंतरिक दर 14.22 प्रतिशत है जो दर्शाती है कि साइट आर्थिक रूप से व्यवहार्य है। लल्लू पोखर में फिश लैंडिंग सेंटर उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गयी है|

2.1.3 आर्थिक साध्ययता रिपोर्ट

- ओडिशा के गोपालपुर में मत्स्य बंदरगाह के विकास के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की गई और जारी की गई।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के माया बंदर में मत्स्य बंदरगाह के विकास के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और जारी की गई।
- केरल में आर्थुंगल मत्स्य बंदरगाह के विकास के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और जारी की गई।
- ओडिशा में पारादीप मत्स्य बंदरगाह के आधुनिकीकरण के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और जारी की गई।
- बिहार में पांच मछली उतारने के केंद्रों के विकास के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की गई और जारी की गई।

क्रम सं	मछली उतारने के केन्द्रों के नाम
1	पटना जिले में फतुहा
2	वैशाली जिले में महनार घाट
3	बेगूसराय जिले के बछवाड़ा
4	कटिहार जिले में काढ़ागोला घाट
5	मुंगेर जिले में लल्लू पोखर

2.1.4 तकनीकी टिप्पणियाँ और मूल्यांकन

- लागत, निर्माण समय, पर्यावरण प्रदूषण आदि को कम करने के लिए रेत पट्टी और जियो-ट्यूब का उपयोग करके ब्रेकवाटर के निर्माण की अभिनव विधि पर एक रिपोर्ट तैयार की गयी ।

• पश्चिम बंगाल में पेटुआघाट, शंकरपुर, फ्रेजरगंज और काकद्वीप में चार मात्स्यिकी बंदरगाहों के आधुनिकीकरण के लिए रिपोर्ट तैयार की गई और जारी की गई।

• एफआईडीएफ के तहत तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में थेंगापट्टिनम मत्स्य बंदरगाह पर मौजूदा मुख्य ब्रेकवाटर के विस्तार के लिए प्रस्ताव (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) का तकनीकी मूल्यांकन किया गया।

• आर्थुंगल मत्स्य बंदरगाह के विकास के लिए संशोधित डीपीआर की जांच की गई - शेष कार्य - एफआईडीएफ के तहत विचार के लिए प्रस्ताव, हार्बर इंजीनियरिंग विभाग, केरल द्वारा प्रस्तुत किया गया और एनएफडीबी को टिप्पणियां प्रस्तुत की गईं।

• एफआईडीएफ के तहत तमिलनाडु में मछली उतारने के केंद्रों के विकास और मौजूदा मात्स्यिकी बंदरगाहों के आधुनिकीकरण के लिए दस प्रस्तावों (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) का तकनीकी मूल्यांकन किया गया।

i. नागपट्टिनम जिले में नागपट्टिनम मात्स्यिकी बंदरगाह का आधुनिकीकरण।
ii. तिरुवल्लूर जिले के सत्तनकुप्पम में मछली उतारने के केंद्र का निर्माण।
iii. तिरुवल्लूर जिले के सुन्नमबुकुलम में मछली उतारने के केंद्र का निर्माण।
iv. विल्लुपुरम जिले के मुधलियारकुप्पम और चेट्टीनगर गांवों में मछली उतारने के केंद्रों की स्थापना।
v. विल्लुपुरम जिले के पुधुकुप्पम और अनिचनकुप्पम गांवों में मछली उतारने के केंद्रों की स्थापना।
vi. कुड्डालोर जिले के चिथिरायपेट्टई और नंजलिंगमपेट्टई गांवों में मछली उतारने के केंद्रों की स्थापना।
vii. कुड्डालोर जिले के सुनामी नगर और अक्कराईगोरी गांवों में मछली उतारने के केंद्र की स्थापना।
viii. कुड्डालोर जिले के सोथिकुप्पम और रसापेट्टई गांवों में मछली उतारने के केंद्रों की स्थापना।
ix. कुड्डालोर जिले के सोननकुप्पम गांव में मछली उतारने के केंद्र की स्थापना।
x. थूथुकुडी जिले में थूथुकुडी मात्स्यिकी बंदरगाह को अतिरिक्त बुनियादी सुविधाएं (नीलामी हॉल, नेट मेंडिंग शेड, कंपाउंड वॉल, ओवर हेड टैंक और यूजी नाबदान) प्रदान करना।

- महाराष्ट्र के निम्नलिखित मछली लैंडिंग केंद्रों का सर्वेक्षण किया गया।

i. हरनई

ii. जीवना

iii. सखरीनाटे

iv. भरदखोल

v. सतपति

2.1.5 परियोजना की निगरानी/ चालू परियोजनाओं का तृतीय पक्षीय निरीक्षण

- कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में चल रहे सभी मात्स्यिकी संबंधी कार्यों का तृतीय पक्ष निरीक्षण किया गया।

2.1.6 मात्स्यि बंदरगाह और मत्स्य उतारने के केंद्र की क्षेत्र यात्रा

- पेटुआघाट, शंकरपुर, फ्रेजरगंज और काकद्वीप में 4 मत्स्य बंदरगाहों के आधुनिकीकरण/उन्नयन के संबंध में पश्चिम बंगाल का दौरा किया गया।
- सभी प्रस्तावित मात्स्यिकी परियोजनाओं के तीसरे पक्ष के निरीक्षण/निगरानी के संबंध में कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ में सभी मत्स्य पालन परियोजना स्थलों का दौरा किया गया।
- मात्स्यिकी विकास के लिए नीलामी योजना पर चर्चा करने के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप का दौरा किया गया।
- मात्स्यिकी बंदरगाह हेतु साइट चयन की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में माया बंदर साइट का दौरा किया गया।
- नौसेना वैकल्पिक संचालन बेस (एनएओबी) के कारण विस्थापित मछुआरों के लिए मात्स्यिकी बंदरगाह/मछली उतारने के केंद्र के निर्माण के लिए संभावित स्थानों की पहचान करने के लिए आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले में पूर्व-परीक्षण सर्वेक्षण आयोजित किया गया।

- संस्थान के अधिकारी द्वारा माह मई-जून 2022 के मध्य तकनीकी मामलों से संबंधित फ़ाइल मंजूरी में सहायता के लिए मत्स्य पालन विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली का दौरा किया गया।
- केरल के तिरुवनंतपुरम जिले में वलियाथुरा मत्स्य पालन केंद्र का पूर्व-परीक्षण सर्वेक्षण दौरा किया गया।

3.0 सम्मेलन, कार्यशाला और प्रशिक्षण

- 09 से 10 जून 2022 को हैदराबाद में आयोजित एफआईडीएफ और पीएमएमएसवाई के तहत उच्च स्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत और डीपीआर तैयार करने पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया और व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- 23 से 24 अगस्त 2022 को सीडब्ल्यूपीआरएस, पुणे द्वारा तटीय कटाव और सतत सुरक्षा उपायों पर आयोजित एक ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- 14 से 16 दिसंबर 2022 के मध्य आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर हाइड्रो एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग एंड रिसर्च एशिया पैसिफिक डिवीजन के 23वें सम्मेलन में भाग लिया गया।
- 31 जनवरी से 02 फरवरी 2023 तक सीएमएफआरआई, चेन्नई के मद्रास क्षेत्रीय स्टेशन पर कृत्रिम चट्टानों पर प्रशिक्षक कार्यक्रम के तीन दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लिया गया।

4.0 बैठकें

कें.म.त.ई.सं. के निदेशक और अधिकारीगण ने निम्नलिखित आभासी (वर्चुअल) बैठकों में भाग लिया गया।

- 08 अप्रैल 2022 को पुलिकट लेक और अन्य मुद्दों पर आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक की गयी।

- 13 अप्रैल 2022 को अजनूर मात्स्यिकी बंदरगाह के डीपीआर जांच हेतु केरल के अधिकारियों के साथ बैठक की गयी।
- 08 जुलाई 2022 को संयुक्त सचिव (शुल्क) की अध्यक्षता में जियो-ट्यूब पर बैठक की गयी ।
- 11 जुलाई 2022 को संयुक्त सचिव (मरीन) की अध्यक्षता में अंडमान और निकोबार द्वीपों की कार्य योजना के समग्र दृष्टिकोण पर बैठक की गयी।
- 15 जुलाई 2022 को संयुक्त आयुक्त (मात्स्यिकी) की अध्यक्षता में 7वीं टीएसईएफएपी मीटिंग में बैठक की गयी।
- 29 जुलाई 2022 को संयुक्त आयुक्त (मात्स्यिकी) की अध्यक्षता में 13वीं सीएएमसी की बैठक की गयी।
- 17 अगस्त 2022 को संयुक्त सचिव (प्रशासन) की अध्यक्षता में संस्थानों के व्यय पर बैठक की गयी।
- 17 अगस्त 2022 को असम अंतर्देशीय मात्स्यिकी परियोजनाओं हेतु सामुद्रिक मात्स्यिकी और अंतर्देशीय मात्स्यिकी के दोनों संयुक्त सचिवों द्वारा अध्यक्षता की गयी।
- 30 सितंबर 2022 को मात्स्यिकी आयुक्त, महाराष्ट्र द्वारा रत्नागिरी मात्स्यिकी बंदरगाह के द्वितीय चरण हेतु बैठक की गयी।
- 06 अक्टूबर 2022 को निदेशक (आईटी), मत्स्य पालन विभाग द्वारा मात्स्यिकी संस्थानों के डिजिटलीकरण पर बैठक की गयी।
- 19 अक्टूबर 2022 को सीओएफ, मुंबई द्वारा महाराष्ट्र की नाबार्ड और आरकेवीवाई के परियोजनाओं पर बैठक की गयी।
- 18 नवंबर 2022 को मंत्रालय द्वारा जियो-ट्यूब, परियोजना लागत जैसे तकनीकी मुद्दों पर बैठक की गयी।
- 20 जनवरी 2023 को पीएफएमएस के ई-बिलिंग मॉड्यूल पर बैठक की गयी।
- 02 फरवरी 2023 को सचिव (एम) द्वारा एफएच में ड्रेजिंग पर बैठक की गयी।
- 15 फरवरी 2023 को एनपीएस पर बैठक की गयी।
- 07 मार्च 2023 को साइबर सुरक्षा पर बैठक की गयी।
- 13 मार्च 2023 को सिंधुराज, ड्रेजर पर बैठक की गयी।
- 16 मार्च, 2023 को व्यय स्थिति पर बैठक की गयी।

5.0 आगंतुक

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार और समुद्री तटीय राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारी, जिन्होंने चर्चाओं, निरीक्षणों, बैठकों आदि के लिए इस संस्थान का दौरा किया, उनका विवरण निम्नलिखित है:

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

• 15 फरवरी 2023 को श्री जतीन्द्र नाथ स्वैन, आईएएस, मत्स्य पालन विभाग के सचिव द्वारा इस संस्थान का दौरा किया गया।

तमिलनाडु सरकार

• राज्य मत्स्य पालन विभाग के मुख्य अभियंता, कार्यकारी अभियंता और अन्य इंजीनियरों द्वारा इस संस्थान का दौरा किया गया।

कर्नाटक सरकार

• श्री राठौड़, वरिष्ठ कार्यकारी अभियंता (प्रभारी), श्री राजकुमार, सहायक कार्यकारी अभियंता (कारवार), श्री उदय कुमार, सहायक कार्यकारी अभियंता (उडुपी), उडुपी के बंदरगाह और मत्स्य पालन विभाग के सहायक अभियंता और कारवार बंदरगाह और मत्स्य पालन विभाग के सहायक अभियंताओं द्वारा इस संस्थान का दौरा किया गया।

केरल सरकार

• अगस्त 2022 के दौरान मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता, हार्बर इंजीनियरिंग विभाग, केरल सरकार द्वारा आर्थुंगल मात्स्यिकी बंदरगाह परियोजना के लिए संशोधित लागत अनुमान को अंतिम रूप देने के संबंध में इस संस्थान का दौरा किया गया।

अन्य

• 28 अक्टूबर 2022 को मात्स्यिकी महाविद्यालय, रत्नागिरी के छात्रों द्वारा इस संस्थान का दौरा किया गया।

6.0 प्रकाशन

- वार्षिक रिपोर्ट 2021-22

7.0 प्रशासन एवं वित्त

7.1 बजट खर्च

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान गैर योजना के तहत 508.00 लाख रुपये के बजट अनुमान (बीई) और 490.69 लाख रुपये के संशोधित अनुमान (आरई) के मुकाबले 444.98 लाख रुपये का व्यय किया गया है।

7.2 नियुक्तियाँ

निम्नलिखित कर्मचारी संस्थान में शामिल हुए:

- श्री जी. शिवशंकर हेगड़े, ड्रिलर को 06 अप्रैल 2022 की तिथि से फोरमैन (ड्रिलिंग) के पद पर पदोन्नत किया गया ।
- श्री जी.के. कुमार , कनिष्ठ अभियंता को 01 अगस्त 2022 की तिथि से सहायक अभियंता (सिविल) के पद पर पदोन्नत किया गया।
- श्री एस. गोपालकृष्ण, सहायक अभियंता (सिविल) को तदर्थ आधार पर 17 अगस्त 2022 की तिथि से सहायक निदेशक (सिविल) के पद पर पदोन्नत किया
- श्री अंकित रंजन, मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) को 13 मार्च 2023 की तिथि से लोवर डिवीजन क्लर्क (एलडीसी) के रूप में पदोन्नत किया गया ।

7.3 नियुक्ति

निम्नलिखित अधिकारी/ कर्मचारी संस्थान में शामिल हुए:

- 23 अगस्त 2022 को श्री दीपक सिंह गंगवार, एलडीसी
- 25 अगस्त 2022 को श्री राज शॉ, एलडीसी
- 25 नवंबर 2022 श्रीमती दिव्या शर्मा, सहायक निदेशक (अर्थशास्त्र)
- 08 दिसंबर 2022 को श्री दीपू सी, एमटीएस

7.4 सेवानिवृत्ति / प्रतिनियुक्ति / इस्तीफा

- श्री आर.एस. मुरलीधर, सहायक अभियंता (सिविल) 30 जून, 2022 को सेवानिवृत्ति पर सेवा से सेवानिवृत्त हुए।
- श्री दीपक सिंह गंगवार, एलडीसी ने रक्षा प्रतिष्ठान में अपनी नौकरी लेने के लिए 28 फरवरी 2023 को सेवा से इस्तीफा दे दिया।

7.5 संशोधित आश्वासनित कैरियर प्रगति योजना (एम. ए. सी. पी.) का कार्यान्वयन

इस संस्थान के कर्मचारियों को एम.ए.सी.पी.एस. के तहत वित्तीय उन्नयन प्रदान करने के मामलों पर विचार करने के लिए एक विभागीय अनुवीक्षण समिति का गठन किया गया ।

समिति ने 06 जनवरी 2023 को अपनी बैठक आयोजित की, प्रथम वित्तीय उन्नयन अनुदान के लिए निम्नलिखित मामले पर विचार किया गया और मंजूरी दी गयी :

- श्री रमेशा एस.एस, कनिष्ठ अभियंता
- श्री सी.पी. गडकरी, कनिष्ठ अभियंता
- श्री टी. सतीश कुमार, कनिष्ठ अभियंता

समिति ने 06 जनवरी 2023 को अपनी बैठक आयोजित की, तीसरे वित्तीय उन्नयन अनुदान के लिए निम्नलिखित मामले पर विचार किया गया और मंजूरी दी गयी:

- श्री एम. मुनिराजू, फील्ड सहायक

7.6 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), नई दिल्ली के निर्देश के अनुसरण में, 31 अक्टूबर से 6 नवंबर, 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 "विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत" थीम के साथ मनाया गया है। सप्ताह के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं।

i. निदेशक, सीआईसीईएफ द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता जागरूकता सप्ताह सत्यनिष्ठा शपथ दिलाई गई।

ii. अधिकारियों और कर्मचारियों को सीवीसी और अन्य सरकारी वेबसाइटों पर उपलब्ध सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया; प्रतिज्ञा लेने वालों को इसे वेबसाइट के माध्यम से रिकॉर्ड करने की सलाह दी गई।

iii. सतर्कता जागरूकता सप्ताह का बैनर पूरे सप्ताह संस्थान के प्रवेश द्वार और सम्मेलन कक्ष में प्रदर्शित किया गया।

iv. "विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर एक संवाद सत्र आयोजित किया गया। सत्र जानकारीपूर्ण और लाभकारी पाया गया।

v. सभी अधिकारियों को सुशासन मानकों से अवगत कराया गया।

7.7 आयोजन

- 21 जून 2022 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया ।
- 15 अगस्त, 2022 को 76वां स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी, 2023 को 74वां गणतंत्र दिवस संस्थान में देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया।
- 14 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस मनाया गया।
- 31 अक्टूबर से 06 नवंबर 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।
- कन्नड़ राज्योत्सव 01 नवंबर 2022 को मनाया गया।
- संविधान दिवस 22 नवंबर, 2022 को मनाया गया।
- स्वच्छता पखवाड़ा 01 से 15 दिसंबर 2022 के बीच मनाया गया।
- महिला दिवस 08 मार्च 2023 को मनाया गया।

8.0 राजभाषा कार्यान्व्यन / हिंदी शिक्षण योजना

भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।

निम्नलिखित सदस्यों से युक्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा शासकीय पत्र-व्यवहार में समय-समय पर हिंदी के प्रगतिशील उपयोग हेतु बैठक और समीक्षा की गई:

सर्वश्री	एन वेंकटेश प्रसाद, निदेशक	अध्यक्ष
	एन रवि शंकर ,उपनिदेशक (सीई)	सदस्य
	एम बी बेल्लियप्पा,उपनिदेशक (सीई)	सदस्य
	एन के पात्रा, उपनिदेशक (अर्थशास्त्र)	सदस्य

संस्थान में दिनांक 14 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस एवं दिनांक 13 से 24 सितंबर 2022 तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया।

9.0 पुस्तकालय

संस्थान के ग्रंथालय में तकनीकी एवं प्रशासन से संबंधित कई किताबें / जर्नल उपलब्ध हैं। इस वर्ष के दौरान 4 नई पुस्तकों को संग्रह में जोड़ा गया।

10.0 सूचना अधिकार (आर.टी.आई.) का कार्यान्व्यन

इस वर्ष के दौरान संस्थान को सूचना अधिकार अधिनियम के अधीन 26 आवेदन प्राप्त हुएं और उनके लिए अपेक्षित सूचना दी गई।

11.0 कर्मचारियों का कल्याण

- श्री आर.एस. मुरलीधर, सहायक अभियंता (सिविल) 30 जून 2022 को सेवानिवृत्ति पर सेवा से सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया।
- श्री दीपक सिंह गंगवार, एलडीसी ने 28 फरवरी, 2023 को रक्षा प्रतिष्ठान में अपनी नौकरी लेने के लिए कार्यालय में इस्तीफा देने के फलस्वरूप उनके लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया।

12.0 तस्वीरें

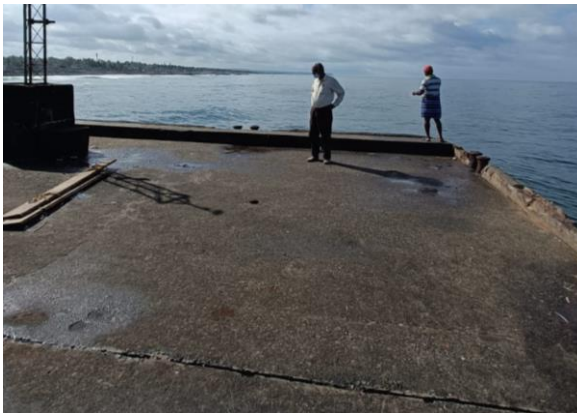

पूर्वपरीक्षण- सर्वेक्षण करने के लिए वलियाथुरा मत्स्य केंद्र का दौरा किया गया।

काकद्वीप मात्स्यिकी बंदरगाह के उन्नयन (अप ग्रेडेशन) के लिए पश्चिम बंगाल का दौरा किया गया।

डायमंड मात्स्यिकी बंदरगाह के उन्नयन (अप ग्रेडेशन) के लिए पश्चिम बंगाल का दौरा किया गया।